www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 अंक – 320 जौनपुर शनिवार, 11 जुलाई 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू

मुजफ्फरनगर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में इस साल 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलने वाली प्रसिद्ध कांवड़ यात्रा की तैयारियां प्रशासन ने शुरू कर दी हैं। यात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए जिले में आधुनिक तकनीक और अतिरिक्त सुरक्षा बलों का सहयोग लिया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंगा नहर मार्ग के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिले भर में लगभग 2500 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएंगे जो संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस को तुरंत अलर्ट देंगे। इसके अलावा, हवाई निगरानी सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जाएगा। कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की मदद और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए भी खास तैयारी की गई है। सभी थानों में पुलिस, स्वास्थ्य, बिजली और सफाई विभाग के अधिकारी एक साथ तैनात रहेंगे ताकि बेहतर समन्वय के साथ काम किया जा सके। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी और ऐसे भ्रामक संदेशों को तुरंत प्रतिबंधित कर कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि कांवड़ियों की पुख्ता सुरक्षा के लिए राज्य सरकार से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग भी की गई है।

पंजाब में विशेष अभियान के तहत 16 दिनों में एक करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब में मतदाता सूची को त्रुटिहीन और मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को बड़ी सफलता मिली है। अभियान के शुरू होने के पहले 16 दिनों के भीतर ही एक करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का सफलतापूर्वक डिजिटलीकरण कर लिया गया है। पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनिंदिता मित्रा ने शनिवार को इस महत्वपूर्ण प्रगति की जानकारी साझा की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लगभग सभी मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए अब तक 99.34 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रपत्रों को इकट्ठा करना और उनका समय पर डिजिटलीकरण करना, एक शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने और लोकतांत्रिक प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में बेहद अहम कदम है। इस अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने वाले अधिकारियों की सराहना करते हुए सीईओ ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ), पर्यवेक्षकों, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की मुस्तैदी की वजह से ही राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों और 24,453 मतदान हुआ।

सीएम योगी खुद लगाएंगे पौधा, करेंगे 35 करोड़ पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार (12 जुलाई) को गोरखपुर से, प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ – 2026 का शुभारंभ करेंगे। रविवार सुबह वह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाएंगे। इस अवसर पर जनसभा कर वह प्रदेशवासियों को पौधरोपण महायज्ञ में जिम्मेदारीपूर्वक हिस्सेदारी करने का आह्वान करेंगे। पौधरोपण महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना भी मौजूद रहेंगे। पौधरोपण महाभियान के जरिये प्रदेश सरकार ने इस बार 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री, लिंक एक्सप्रेसवे के समीप पवित्र त्रिवेणी (नीम, पीपल और बरगद) का पौधा लगाकर पौधरोपण महायज्ञ – 2026 का शुभारंभ करेंगे। जबकि ताल रिंग रोड के किनारे वह मौलश्री का पौधरोपण करेंगे। सीएम योगी के मार्गदर्शन में इस बार राज्यभर में रिकॉर्ड 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसे लेकर वन विभाग के संयोजन में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस लक्ष्य में गोरखपुर को 55 लाख 28 हजार 600 पौधरोपण की जिम्मेदारी मिली है। कुल 27 विभागों के सामंजस्य से होने वाले पौधरोपण महाभियान में सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के पास है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी शुभम सिंह अनुसार गोरखपुर जिले को मिले लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी पौधशालाओं में गुणवत्तायुक्त पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। पौधों के बेहतर विकास एवं उत्तरजीविता के लिए चिन्हित रोपण स्थलों पर एडवांस सॉयल वर्क के अंतर्गत गड्ढा खुदाई, टॉप सॉयल की व्यवस्था, पौधरोपण स्थलों का विकास, पौध संरक्षण हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं तथा अन्य तैयारियां पहले से पूर्ण हैं।

कर्नाटक के बेलगावी में शुरू, जनगणना समेत किन मुद्दों पर होगी चर्चा

बेलगाव, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारकों की वार्षिक तीन दिवसीय बैठक शुक्रवार को कर्नाटक के बेलगावी में शुरू हुई। बैठक में देशभर में चल रही जनगणना सहित कई समकालीन और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी। आरएसएस की श्अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की मौजूदगी में शुरू हुई। यह बैठक 12 जुलाई तक चलेगी। बैठक में संघ की शाखाओं के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। साथ ही संगठन के विस्तार के लिए शाखाओं की संख्या बढ़ाने की योजना पर भी विचार–विमर्श होगा। आरएसएस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, कार्यकारी परिषद के सदस्य, प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक, क्षेत्र प्रचारक और सह क्षेत्र प्रचारक शामिल हो रहे हैं। संघ की संगठनात्मक संरचना के अनुसार देश के सभी 11 क्षेत्रों और 46 प्रांतों के कार्यकर्ता बैठक में भाग ले रहे हैं। इसके अलावा संघ से प्रेरित 32 संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी इसमें मौजूद रहेंगे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने हाल ही में जारी एक बयान में कहा था कि मार्च में हरियाणा के समालखा में हुई आरएसएस प्रतिनिधि सभा के बाद अप्रैल, मई और जून के दौरान देशभर में संघ के विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए थे।

25 साल पहले मिला मफलर, आज भी सुरक्षित है – पीएम नरेन्द्र मोदी

ऑकलैंड, (एजेंसी) नमस्ते, की ओरा न्यूजीलैंड के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करने वाले पीएम मोदी ने कहा, हम भारत के लोग सुनते आए थे, 20 साल के बाद, लेकिन आज 40 साल बाद कोई भारतीय पीएम न्यूजीलैंड की धरती पर आया है। ये मेरा सौभाग्य है। मैं यहां 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं लेकर आया हूं। प्रधानमंत्री के रूप में भले ही ये मेरा पहला दौरा है। लेकिन 25–30 साल पहले जब मैं किसी सरकार में हिस्सा नहीं था, सार्वजनिक जीवन में मुझे कोई जानता नहीं था, तब भी मुझे न्यूजीलैंड आने का मौका मिला था। प्रधानमंत्री ने वर्षों पुरानी यात्रा से जुड़ी यादें ताजा करते हुए कहा, श्उस समय किसी ने मुझे गिफ्ट में तीन चीजें दी थीं जो मैं वापस भारत लेकर गया था। एक ये मफलर, एक कैप और एक दस्ताना, क्योंकि ठंड का मौसम था। उसमें से एक चीज मैं यहां इस कार्यक्रम में भी लाया हूं। ये मफलर 25–30 साल पहले न्यूजीलैंड के एक साथी ने दिया था। मैंने इतने वर्षों में कई बार इसका उपयोग किया और आज भी इसे बहुत संभालकर रखा है। जैसे आपके प्यार को संभालकर रखता हूं। पीएम मोदी ने कहा, इस बार जब यहां आने का कार्यक्रम बना तो विशेष तौर पर इस मफलर को साथ लाया, क्योंकि खबर थी कि ठंड ज्यादा है। भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते में यादें भी हैं।

कल का दुश्मन अलग होगा, बिना एलान के भी छिड़ सकता है युद्ध –राजनाथ सिंह

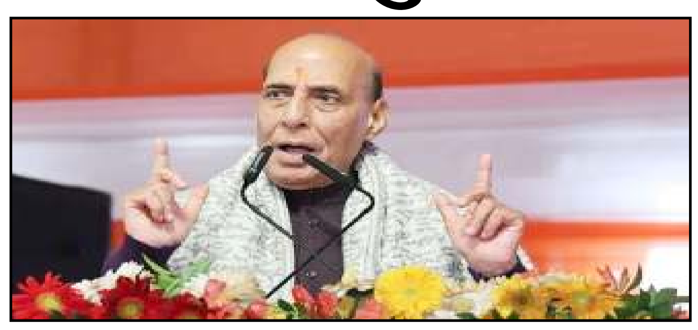

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने वाला सबसे प्रमुख देश है। उन्होंने वैश्विक सुरक्षा के बदलते और जटिल हालातों के बीच देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए भारतीय नौसेना की जमकर तारीफ की है। रक्षामंत्री बुधवार, 10 जुलाई 2026 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में नौसेना कर्मियों को संबोधित कर रहे थे। मौका था भारतीय नौसेना में छठे स्वदेशी प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट श्महेंद्रगिरीश के कमीशनिंग की पूर्व संध्या पर आयोजित विशेष श्बाराखानाश कार्यक्रम का, जहां उन्होंने सैनिकों का हौसला बढ़ाया। रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का 90 प्रतिशत से ज्यादा व्यापार समुद्री रास्तों से ही होता है। इसके अलावा देश की ऊर्जा सुरक्षा, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और द्वीपीय क्षेत्र भी पूरी तरह समुद्र से जुड़े हैं। यही वजह है कि देश के आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों के लिए समुद्री सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। राजनाथ सिंह ने आगाह किया कि बढ़ते भू–राजनीतिक कॉम्पिटिशन और इस क्षेत्र से बाहर की ताकतों की मौजूदगी ने समुद्री सतर्कता को और बढ़ा दिया है। ऐसे में हमारी नौसेना सीमाओं की रक्षा के साथ महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को सुरक्षित रख रही है। भारत को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा और जिम्मेदार देश बताते हुए रक्षा मंत्री ने सुरक्षित समुद्री माहौल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र हमारा आंगन है और इसकी सुरक्षा करना हमारी ही जिम्मेदारी है। राजनाथ सिंह ने स्वदेशी युद्धपोत श्महेंद्रगिरिश का उदाहरण देते हुए कहा कि यह देश की आत्मनिर्भर होती रक्षा क्षमताओं का एक शानदार प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने सैनिकों से अपनी स्किल्स को लगातार अपग्रेड करने और अत्याधुनिक तकनीकों में महारत हासिल करने का आह्वान किया ताकि आधुनिक युद्ध के हर बदलते स्वरूप का सामना किया जा सके। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भविष्य की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा कि आने वाले समय में संघर्ष नए और अप्रत्याशित रूप में सामने आ सकते हैं। अब ऐसे भी संघर्ष देखने को मिल रहे हैं जो बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा के लड़े जाते हैं।

देश का भविष्य लाइब्रेरियों में दिल्ली में जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी का अमित शाह ने किया उद्घाटन

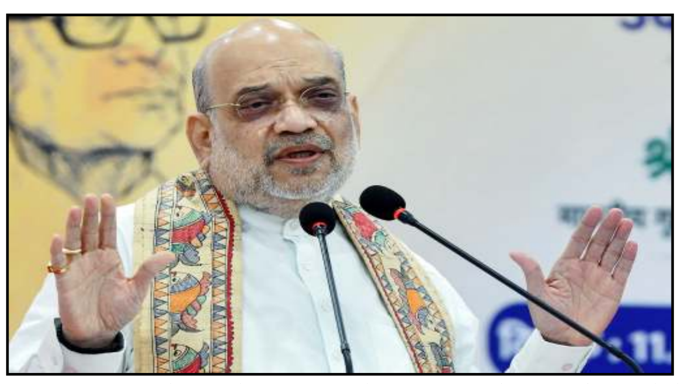

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में अत्याधुनिक जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि किसी देश की असली तरक्की सिर्फ उसके आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसकी बौद्धिक गहराई से मापी जाती है। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने इस लाइब्रेरी की शुरुआत को दिल्ली के सामाजिक–शैक्षिक परिदृश्य में एक अहम पड़ाव बताया। उन्होंने इस नई मल्टीमीडिया और डिजिटल सुविधा को महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और समाज सुधारक लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत को समर्पित किया। शाह ने कहा कि आज दिल्ली के लिए एक अहम दिन है। यहाँ देश के महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और कई बड़े काम करने वाले महान नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के नाम पर एक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया है। नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (छक्डब्) द्वारा बनाई गई यह कई मंजिला इमारत पारंपरिक पढ़ाई–लिखाई और डिजिटल संसाधनों को जोड़ती है। यह यूजर्स को फिजिकल किताबों के साथ–साथ पाँच लाख से ज़्यादा ई–बुक्स और डिजिटल कैटलॉग तक पहुँच देती है। पढ़ने की जगहों और राष्ट्र–निर्माण के बीच बुनियादी संबंध पर जोर देते हुए, गृह मंत्री ने देश की वास्तविक प्रगति को मापने के बारे में अपनी व्यापक सोच साझा की। उन्होंने कहा कि एक महान विचारक ने कहा है कि किसी देश के भविष्य का अंदाजा इस बात से नहीं लगाया जा सकता कि उसकी खेती कितनी समृद्ध है, बाजार कितने भरे–पूरे हैं या देश में कितने उद्योग स्थापित हैं, बल्कि इस बात से लगाया जाता है कि वहाँ के पुस्तकालयों में कितनी भीड़ है और वहाँ कितने युवा हैं। इस इमारत की दो मंजिलों पर 32,000 से ज़्यादा किताबों का बेहतरीन संग्रह मौजूद है। शोध करने वाले छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

माफिया ने छेड़ा तो अगले चौराहे पर मिलेगी नई बंदूक वाली पुलिस : रवि किशन

कुशीनगर, (संवाददाता)। गोरखपुर के सांसद रविकिशन ने कुशीनगर दौरे के दौरान कहा कि महाराज जी ने अपनी निधि से स्कूल के लिए धन उपलब्ध कराया है, जहां बेटियां और बेटे दोनों शिक्षा प्राप्त करेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी माफिया ने स्कूल की जमीन पर कब्जा करने या छेड़छाड़ की कोशिश की तो उसे अगले चौराहे पर नई बंदूक से लैस उत्तर प्रदेश पुलिस मिलेगी। सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब सड़कें भी बन रही हैं और बंदूकें भी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रक्षा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है और राफेल जैसे रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में भी काम हो रहा है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में केवल विकास हुआ है। उनका दावा था कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत मिलेगी। रविकिशन ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले माफिया जिले चलाते थे, लेकिन अब कानून का राज स्थापित हुआ है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कुशीनगर के इतिहास पर आधारित एक कविता भी सुनाकर उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया।

राम मंदिर परिसर के प्रमुख कार्य 30 जुलाई तक होंगे पूरे – नृपेंद्र मिश्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा शनिवार को अयोध्या पहुंचे और मंदिर निर्माण समिति की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए ।बैठक में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की वर्तमान प्रगति, लंबित कार्यों और आगामी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर परिसर के सभी प्रमुख निर्माण कार्यों को 30 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।उन्होंने कहा कि हुतात्मा स्मारक का निर्माण भी जुलाई के अंत तक पूरा हो जाएगा,जबकि मंदिर परिसर की शेष चार किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का कार्य 30 सितंबर तक पूरा करने की योजना है। इसके अलावा, मंदिर परिसर में बन रहा भव्य उन्होंने बताया कि पुराने मंदिर स्मारक का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। यहां 24 घंटे अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित रखने की तैयारी अंतिम चरण में है। वहीं, प्रस्तावित राम कथा संग्रहालय की 20 गैलरियों की स्टोरीलाइन तैयार कर ली गई है ।संग्रहालय के संचालन के लिए सीईओ की नियुक्ति का निर्णय तीन सदस्यीय समिति द्वारा लिया जाएगा ।हाल ही में सामने आए चढ़ावा चोरी के मामले पर नृपेंद्र मिश्रा ने गहरा दुख जताया। उन्होंने इस घटना को मंदिर प्रशासन के लिए "कलंक" बताते हुए कहा कि इससे सभी लोग स्वयं को आहत और छोटा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा और प्रबंधन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जा रही है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा सरकार में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का पर्याय बना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौन हैं - मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नयी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार के दौरान राज्य भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सत्ता के अहंकार में आकर सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही की भावना को पूरी तरह कुचल दिया है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पोस्ट में दावा किया कि मध्यप्रदेश में एथेनॉल उत्पादन के नाम पर 1,200 करोड़ रुपये का बड़ा चावल घोटाला सामने आया है। उन्होंने बताया कि जिस चावल का उपयोग कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए किया जाना था, उसे मुनाफे के खेल में डाइवर्ट कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकारी तंत्र और राइस मिलर्स की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए कहा कि करीब पांच लाख मीट्रिक टन चावल, एथेनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में इस बड़े भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मिलीभगत से सीधे तौर पर जनता के हक के अनाज की चोरी की जा रही है। इसके साथ ही खरगे ने उज्जैन में हुए कथित जमीन घोटाले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन के उन्हीं क्षेत्रों में जमीनों का विस्तार किया गया जहां सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और राजमार्ग प्रस्तावित थे। इस मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भी सवाल खड़े हुए हैं। खरगे ने कहा कि व्यापमं से शुरू हुआ लूट और अनगिनत पेपर लीक का यह सिलसिला भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आने के बाद भी आज तक नहीं रुका है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि भाजपा ने मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार का एक मॉडल बना दिया है, लेकिन इन सब पर प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह मौन साधे हुए हैं। इस आरोप पर फिलहाल मध्यप्रदेश सरकार या भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

संपादकीय

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? छिहत्तर साल पहले लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गुलामी जैसी किसी प्रथा को निषिद्ध घोषित किया गया। मगर बंधुआ मजदूरी को कानूनन प्रतिबंधित करने में 26 साल और लगे। 1976 में बंधुआ मजदूरी पर रोक का कानून पारित हुआ। अब उसके बाद 50 साल और गुजर चुके हैं। लेकिन जमीनी हकीकत उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले का मांडी गांव है, जहां दोना बनाने वाली फैक्टरी से 12 बंधुआ मजदूर छुड़ाए गए हैं। वैसे मांडी गांव भी सिर्फ एक झांकी है। बंधुआ और बाल बंधुआ मजदूरों से काम लेने या कभी–कभार उन्हें छुड़ाने की खबरें अक्सर हमारे सामने आती रहती हैं। मांडी की घटना बहुचर्चित हुई, तो इसलिए कि वहां मजदूरों से बर्बरता की इंतहा कर दी गई। उनकी दुर्दशा की कहानियों ने लोगों को झकझोरा है। पुलिस और उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छुड़ाए गए इन श्रमिकों के बारे में सामने आया है कि उन्हें कैदियों की तरह रखा गया, मोबाइल छीन लिए गए, पहचान–पत्र जला दिए गए और बाहर निकलने की मनाही कर दी गई। मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कुछ मजदूरों की पसलियां टूट गईं, कई के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं और आरोप है कि अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई। यह बात पुलिस ने कही है कि फैक्टरी में मजदूरों से जानवरों जैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया जाता था। उन्हें लोहे की गर्म रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से वहां काम की तलाश में वहां आए थे। तो प्रश्न है कि संवैधानिक उद्घोषणा और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां हैं? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की किसी ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? विचारणीय मुद्दा है कि अलग– अलग राज्यों से पलायन कर बंधुआ बनने के लिए किसी दूसरी जगह पर मजदूर क्यों आते हैं? दरअसल, ऐसी हर कहानी आजीविका की बदहाल सूरत का सबूत है, जो अपने लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न–चिह्न भी है।

सतलुज विवाद पर रवनीत सिंह बिट्टू ने जो सवाल उठाये हैं दिलजीत दोसांझ उनका जवाब देंगे

नीरज कुमार

पंजाब की राजनीति में एक बार फिर इतिहास, सिनेमा और सियासत आमने सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक बहस में बदल गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिलजीत दोसांझ और फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि फिल्म के जरिए पंजाब के उग्रवाद के दौर की केवल एकतरफा तस्वीर पेश की जा रही है और समाज में पुराने जख्मों को फिर से कुरेदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार का फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में कोई हाथ नहीं है। साथ ही उन्होंने पूरे विवाद को सुनियोजित प्रचार करार दिया। हम आपको बता दें कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब सतलुज ओटीटी पर रिलीज होने के महज दो दिन बाद ही वहां से हटा ली गई। इस कदम के बाद पंजाब के फिल्म जगत, सोशल मीडिया और पंजाब सरकार के कुछ हलकों में यह सवाल उठने लगे कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते फिल्म हटाई गई। हालांकि रवनीत सिंह बिट्टू ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सरकार का ऐसे मंचों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उनका दावा है कि फिल्म के निर्माताओं ने स्वयं ही इसे हटाया क्योंकि उन्हें जितना आर्थिक लाभ चाहिए था, वह मिल चुका था। उन्होंने कहा कि जब स्वयं दिलजीत दोसांझ पहले ही यह कह चुके थे कि फिल्म केवल दो तीन दिन के लिए उपलब्ध रहेगी, तभी समझ जाना चाहिए था कि पूरे घटनाक्रम में कुछ न कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को फिल्म हटानी ही होती तो उसे प्रसारित होने की अनुमति ही क्यों दी जाती। बिट्टू ने आरोप लगाया कि पहले फिल्म को प्रसारित कर माहौल बनाया गया और फिर उसे हटाकर सरकार पर प्रतिबंध लगाने का आरोप मढ़ दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने दिलजीत दोसांझ पर केवल इस विवाद तक हमला सीमित नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिलजीत केवल धन कमाने के लिए काम करते हैं और विदेश में बैठकर पंजाब के लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें बहुरूपिया बताते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस में रहकर पंजाब की भावनाओं से खेल रहे हैं। बिट्टू ने सवाल उठाया कि यदि दिलजीत को समाज और मानवाधिकारों की इतनी चिंता है तो उन्होंने मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा पर फिल्म क्यों नहीं बनाई? उन्होंने फिल्म चमकीला का भी जिक्र करते हुए कहा कि यदि दिलजीत अपने परिवार की महिलाओं का सम्मान करते तो ऐसी फिल्म में काम नहीं करते। उन्होंने यह दावा भी किया कि विदेशों में अपने कार्यक्रमों के दौरान दिलजीत खालिस्तान के झंडे लेकर आने वालों को हटाने की बात करते हैं और फिर सवाल उठाया कि आखिर उनके पीछे कौन–सी ताकतें काम कर रही हैं? रवनीत सिंह बिट्टू ने स्पष्ट किया कि उन्हें पंजाब में उग्रवाद के दौर पर फिल्म बनने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका विरोध केवल एकतरफा कहानी दिखाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि यदि उस दौर की कहानी दिखाई जा रही है तो उन पुलिस अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान को भी सामने लाया जाना चाहिए जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण गंवाए। उन्होंने दिलजीत दोसांझ और हनी त्रेहन को चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह उन पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों पर भी फिल्म बनाएंगे जिनकी 1984 के बाद के दौर में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने लालडू के पास एक सौ पच्चीस यात्रियों के नरसंहार और युवा भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अविंदर सिंह की हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिवारों के दर्द को भी देश के सामने लाया जाना चाहिए। फिल्म में किए गए उस दावे पर भी केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया जिसमें पच्चीस हजार अज्ञात शवों के गुप्त तरीके से निपटान की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह दावा तथ्यात्मक है तो निर्माता उसके प्रमाण सार्वजनिक करें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि पच्चीस हजार तो दूर, यदि पांच हजार मामलों का भी पूरा ब्यौरा मीडिया, संबंधित आयोग या न्यायालय के सामने रख दिया जाए तो वह अपनी बात वापस लेने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों के बिना ऐसे गंभीर आरोप समाज में भ्रम और तनाव पैदा करते हैं। अपने परिवार के इतिहास का जिक्र करते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि उनके दादा और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने आतंकवाद के कठिन दौर में राज्य में शांति बहाल करने के लिए संघर्ष किया था और इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि उस समय पंजाब में भय का ऐसा माहौल था कि सामान्य सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो गया था। विवाह समारोहों से लेकर महिलाओं के पहनावे तक पर आतंक का साया था। उन्होंने उस दौर की तुलना कट्टर शासन से करते हुए कहा कि आज की शांति बहुत कठिन संघर्ष के बाद मिली है और इसे केवल फिल्म की कमाई या राजनीतिक लाभ के लिए दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में घटनाक्रम की समयरेखा को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने कहा कि जसवंत सिंह

खालरा के लापता होने की घटना उनके दादा की हत्या के बाद हुई थी और उस समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में उस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी थी, इस पर भी सवाल उठना चाहिए। उन्होंने अकाली दल पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि गांवों और गुरुद्वारों में फिल्म का प्रदर्शन कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जसवंत सिंह खालरा की पत्नी ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर भी गंभीर आरोप लगाए थे, जिनकी चर्चा आज नहीं की जाती। साथ ही रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात विस्तार से रखते हुए कहा कि इतिहास की केवल एक तरफा नहीं, बल्कि पूरी सच्चाई को जानना जरूरी है। उन्होंने लिखा कि पंजाब ने अपने निर्दोष लोगों के बलिदान के साथ जो असहनीय पीड़ा झेली है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। उनका कहना था कि हर पीड़ित को याद किया जाना चाहिए और हर पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थायी और वास्तविक शांति केवल सत्य के मार्ग पर चलकर ही प्राप्त की जा सकती है। बिट्टू के अनुसार यदि इतिहास के केवल एक हिस्से को दिखाया जाएगा और दूसरे पक्ष के दर्द तथा बलिदान को नजरअंदाज किया जाएगा तो समाज में संतुलित विमर्श कभी स्थापित नहीं हो सकेगा। उनका कहना है कि पंजाब के उग्रवाद के दौर की कहानी में केवल कुछ घटनाओं या कुछ पात्रों को केंद्र में रखना न्यायसंगत नहीं है, बल्कि उन हजारों निर्दोष परिवारों, पुलिसकर्मियों, सुरक्षाबलों और आम नागरिकों के दर्द को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए जिन्होंने आतंकवाद की कीमत अपने जीवन से चुकाई। बहरहाल, फिलहाल सतलुज को लेकर छिड़ा विवाद केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं रह गया है।

विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना होगा

खुशाल

विद्यार्थी केवल दूसरों को सलाह देने तक सीमित न रहें, बल्कि स्वयं अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करें। यदि वे सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखें, अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग न करें, पानी और बिजली की बचत करें, पौधों की नियमित देखभाल करें तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, तो उनका आचरण दूसरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इन दिनों विद्यालयों में वन–महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण के विशेष अभियान चल रहे हैं। विद्यार्थी उत्साह के साथ पौधे लगा रहे हैं, उनकी देखभाल का संकल्प ले रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक गतिविधियां नहीं हैं, बल्कि बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के तेजी से होते दोहन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या विशेषज्ञों का विषय नहीं रह जाता। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बन चुका है। इस जिम्मेदारी को निभाने में विद्यार्थियों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी जा सकती है, क्योंकि वे केवल भविष्य के नागरिक ही नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने की क्षमता भी रखते हैं।इसके लिए पहली आवश्यकता है, विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना। विद्यालय इस दिशा में सबसे प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। श्इको–क्लब,श प्रकृति भ्रमण, पोस्टर प्रतियोगिताएं, भाषण, वाद–विवाद, निबंध लेखन और विज्ञान प्रदर्शनियों जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को केवल जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण से भावनात्मक रूप से भी जोड़ते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी पौधे को अपने हाथों से लगाता है और उसकी देखभाल करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति अपनापन विकसित होता है। यही अपनापन आगे चलकर जिम्मेदारी में बदलता है।स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि, घने वन और जैव विविधता के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है, किंतु इसका प्राकृतिक संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है। शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, नदियां दूषित हो रही हैं, भूजल तेजी से नीचे जा रहा है और अनियोजित विकास के कारण जंगलों का दायरा सिमटता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी लंबे सूखे जैसी परिस्थितियां देखने को मिल रही हैं। इन समस्याओं का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है।आज का युवा रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ से भरपूर है। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में वे ऐसे प्रयोग कर रहे हैं, जो पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। सौर–ऊर्जा से चलने वाले मॉडल, जैविक कचरे से खाद बनाने की तकनीक, वर्षा–जल संरक्षण के सरल उपाय, कम लागत वाले जल–शुद्धिकरण मॉडल और ऊर्जा बचाने वाले उपकरणों पर विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयोग यह साबित करते हैं कि सही मार्गदर्शन मिलने पर वे समाज के सामने व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। कई विद्यार्थी डिजिटल माध्यमों और मोबाइल अनुप्रयोगों के जरिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। तकनीक का यह सकारात्मक उपयोग भविष्य के लिए नयी आशा जगाता है।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हिमालय से लेकर समुद्र तक, घने जंगलों से लेकर मरुस्थलों तक, प्रकृति के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इन प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाए। विद्यार्थी अपने स्थानीय परिवेश के अनुसार भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वे जलस्रोतों की स्वच्छता, वृक्षों के संरक्षण और जैविक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, वर्षा जल संचयन और घर के आसपास और छतों पर हरियाली बढ़ाने जैसे प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। इतिहास पर्यावरण संरक्षण को केवल एक शदिवसश या श्अभियानश तक सीमित नहीं रखा जा सकता। श्विश्व पर्यावरण दिवस,श श्वन महोत्सवश या श्पृथ्वी दिवसश जैसे अवसर हमें प्रेरणा अवश्य देते हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है। पौधारोपण का महत्व तभी है, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी की जाए। अनेक बार उत्साह में हजारों पौधे लगा दिए जाते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों बाद उनकी ओर कोई ध्यान नहीं देता। इसलिए प्रत्येक छात्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह केवल पौधा लगाएगा ही

नहीं, बल्कि उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल भी करेगा। विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को अधिक व्यवहारिक बनाने की आवश्यकता है। यदि विद्यार्थियों को पुस्तकों के अध्ययन के साथ ही स्थानीय पर्यावरणीय समस्याओं पर श्परियोजना कार्यश दिए जाएं, तो वे विषय को अधिक गहराई से समझ सकेंगे। अनुभव से प्राप्त ज्ञान हमेशा अधिक स्थायी होता है। जब विद्यार्थी स्वयं किसी नदी, जंगल, तालाब या उद्यान का महत्व समझते हैं, तब उनके भीतर प्रकृति के प्रति सम्मान स्वतरू विकसित होता है। यही सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण का सच्चा सहभागी बनाता है।यह भी आवश्यक है कि विद्यार्थी केवल दूसरों को सलाह देने तक सीमित न रहें, बल्कि स्वयं अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करें। यदि वे सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखें, अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग न करें, पानी और बिजली की बचत करें, पौधों की नियमित देखभाल करें तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, तो उनका आचरण दूसरों के लिए प्रेरणा बनेगा। समाज में स्थायी परिवर्तन हमेशा अच्छे उदाहरणों से आता है, केवल उपदेशों से नहीं। जब बच्चे स्वयं जिम्मेदारी निभाते हैं, तो बड़े भी उनके प्रयासों का सम्मान करते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि पर्यावरण संरक्षण को नैतिक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया जाए। प्रकृति ने हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए हैं।

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

श्रीपाद

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ–साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों। स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार–चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए। इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ–साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ–सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ। ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैंरू स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए। लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ–साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ–साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है। भारत की गैर–जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां दृ जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी–ग्रिड और माइक्रो–ग्रिड दृ ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ–साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं। भारत की श्पीएम सूर्य घररू मुफ्त बिजली योजनाा्य बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं। हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है। आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा।

ऑटो म्यूटेशन और ऑटो डायवर्सन से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वतरू नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वतरू व्यवर्तन) जैसी जन–हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है। पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वतरू संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। आंकड़ों की जुबानीरू सफलता की एक नई गाथा राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हजार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हजार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है। वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हजार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैंय अतरू इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है। ऑटो म्यूटेशन ने बदली नामांतरण की तस्वीर किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद भू–अभिलेखों में नाम दर्ज होना एक अनिवार्य प्रक्रिया है। पुराने दौर में पटवारियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटना, दस्तावेजों की जांच में महीनों गंवाना और अनिश्चितता का सामना करना आम बात थी, जिसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया। आज छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल चुकी है। 1 लाख 40 हजार 607 पंजीकृत विलेखों में से 1 लाख 40 हजार 536 मामलों का स्वतरू नामांतरण होना यह दर्शाता है कि अब नागरिक को अपने हक के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है। इस व्यवस्था से समय और धन की भारी बचत हो रही है और रिकॉर्ड रीयल–टाइम अपडेट होने से जमीनी धोखाधड़ी पर लगाम लगी है। इस सफलता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा एक सख्त तकनीकी लॉक सिस्टम विकसित किया गया है। इसके तहत, यदि किसी संपत्ति का एक भी पुराना ऑटो म्यूटेशन लंबित है, तो संबंधित सब–रजिस्ट्रार कार्यालय में उस संपत्ति की अगली रजिस्ट्री तब तक नहीं हो पाएगी जब तक पिछला म्यूटेशन क्लियर न हो जाए। यह कदम निचले स्तर के प्रशासनिक अमले को जवाबदेह बनाता है। ऑटो डायवर्सन से भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया हुई तेज कृषि भूमि को आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपयोग में बदलना (डायवर्सन) शहरीकरण, निवेश और रोजगार सृजन की रीढ़ है। पहले आवेदकों को शुल्क, आवश्यक दस्तावेजों और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं होती थी। फरवरी से जून 2026 के बीच 5 हजार 661 आवेदनों में से 4 हजार 739 का त्वरित निस्तारण यह दिखाता है कि विभाग ने गाइडलाइन दरों के आधार पर प्रीमियम निर्धारण जैसी पेचीदा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर दिया है। वर्तमान में जो 922 लंबित मामले हैं, उनके पीछे अपूर्ण दस्तावेज, चालान राशि में तकनीकी अंतर या नगर तथा ग्राम निवेश के मास्टर प्लान से भिन्न प्रयोजन होना जैसे व्यावहारिक कारण हैं। इन चुनौतियों को सार्वजनिक करना विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को दर्शाता है। जिला–वार प्रदर्शन ने दिखाई नई प्रशासनिक संस्कृति ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम–उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59 प्रकरणों में से सभी 59 का शत–प्रतिशत निराकरण कर 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा।कोरबा जिला 98.46 प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।बालोद जिला 93.72 प्रतिशत निस्तारण दर के साथ शीर्ष जिलों में शामिल रहा।धमतरी जिला कुल 165 प्रकरणों में से 153 का वैधानिक निराकरण कर 92.73 प्रतिशत सफलता दर के साथ राज्य में पाँचवाँ (शीर्ष–5) स्थान प्राप्त किया। धमतरी का यह प्रदर्शन नियमित समीक्षा और जवाबदेह कार्यशैली का परिणाम है। तकनीकी सुधार और नए डिजिटल मॉड्यूल्स विभाग अपनी वर्तमान उपलब्धियों से आगे बढ़कर एक एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण में जुटा है। एनजीडीआरएस एपीआई इंटीग्रेशन इसके माध्यम से सरकारी गाइडलाइन दरें सीधे पोर्टल से प्राप्त हो रही हैं, जिससे प्रीमियम का निर्धारण मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह स्वचालित और पारदर्शी हो गया है। यदि पहले से डायवर्टेड भूमि का आंतरिक उपयोग बदलना हो (जैसे आवासीय से वाणिज्यिक), तो इस मॉड्यूल के तहत निस्तारण के लिए 15 दिवस की समय सीमा तय की गई है। मल्टीपल खसरा मॉड्यूल एक से अधिक खसरों वाली भूमि के लिए अब एक ही आवेदन में अनेक खसरों का चयन, स्वतरू शुल्क गणना और ई–चालान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए समय सीमा जुलाई 2026 रखा गया है। रिकवरी मॉड्यूल पुराने लंबित मामलों के निपटारे के लिए पूर्व भुगतानों की प्रविष्टि, शेष प्रीमियम की गणना, भू–राजस्व उपकर की मांग और एक उच्च स्तरीय रिकवरी डैशबोर्ड की व्यवस्था की जाएगी।इसके लिए समय सीमा अगस्त 2026 निर्धारित किया गया है। सुशासन का नया मॉडल बनता छत्तीसगढ़ यह ऐतिहासिक बदलाव सिर्फ तकनीकी आंकड़ों का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पौने तीन करोड़ नागरिकों के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने का माध्यम है। किसान, गृहस्वामी, व्यापारी और औद्योगिक निवेशक सभी को अब घर बैठे अपने मोबाइल पर पारदर्शी सेवाएँ मिल रही हैं। दिसंबर 2026 तक के लिए तय किए गए रोडमैप के अनुसार, राज्य के सभी क्षेत्रों की सैटेलाइटध्ड्रोन मैपिंग, टीएनसीपी से एनओसी लिंकिंग और मुख्य भू–अभिलेख पोर्टल का वृहद् अपग्रेडेशन किया जाना है। ये कदम छत्तीसगढ़ को डिजिटल राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। तकनीक, संवेदनशीलता और जवाबदेही के इस बेजोड़ संगम से छत्तीसगढ़ ने जन–केंद्रित शासन की एक नई मिसाल पेश की है।

खड़े ट्रक में ट्रेलर की भीषण टक्कर, मकान में घुसा वाहन, किशोर की मौत, महिला समेत दो घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर–रामपुर–भदोही राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामपुर थाना क्षेत्र के मई गांव के पास शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 12 बजे जौनपुर की ओर से भदोही जा रहा तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी टाटा 1109 में पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टाटा आगे बढ़कर सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसा। उस समय मकान के बाहर चारपाई पर सो रहे दो सगे भाई वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में सूरज गुप्ता (17) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई राजकुमार (15) गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरी चारपाई पर सो रही मंजू देवी भी हादसे में घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को भदोही के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना पर पहुंची रामपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर और टाटा को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।इस मामले में शनिवार को जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय चौधरी ने बताया कि दुर्घटना में एक किशोर की मौत हुई है, जबकि दो लोग घायल हैं। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गाड़ियों को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिय भेजा गया है।मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

जौनपुर में 338 स्कूल वाहन नियमों का उल्लंघन करते मिले

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। परिवहन विभाग की जांच में 27 थाना क्षेत्रों में कुल 338 स्कूल वाहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। इनमें से 222 वाहन बिना परमिट के चल रहे थे, जबकि 116 वाहनों का फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो चुका था। परिवहन विभाग ने इन अनियमितताओं पर कार्रवाई शुरू कर दी है। 1 जुलाई से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अब तक 168 स्कूल वाहनों की जांच की गई है। इस दौरान 47 वाहनों का चालान किया गया और 11 स्कूल वाहनों को जब्त (सीज) कर लिया गया। अभियान के दौरान यह पाया गया कि 24 स्कूल वाहनों का फिटनेस प्रमाणपत्र या तो समाप्त हो चुका था या वे निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, 23 वाहन बिना वैध परमिट के संचालित हो रहे थे, जो मोटर वाहन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है।

इन्हीं गंभीर खामियों के आधार पर विभाग ने चालान और सीज की कार्रवाई की है। एआरटीओ सत्येंद्र सिंह ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सभी स्कूल संचालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेज समय पर अपडेट रखें और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूल वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

43वीं यूपी पुलिस जोनल बैडमिंटन क्लस्टर प्रतियोगिता में एएसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने जीता स्वर्ण पदक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर से सोनभद्र में 10 से 12 जुलाई 2026 तक आयोजित 43वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वाराणसी जोनल बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस) प्रतियोगिता में जौनपुर पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में जौनपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह ने टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आतिश कुमार सिंह की इस उपलब्धि से न केवल जौनपुर पुलिस बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग का सम्मान बढ़ा है। उनकी सफलता पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक मानी जा रही है। उन्होंने अनुशासन, समर्पण और खेल भावना का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। आतिश सिंह की इस सफलता पर शनिवार को जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह सहित पुलिस परिवार ने अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उनकी यह सफलता विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

एयरफोर्स तिराहे के पास सड़क हादसे में महिला की मौत, तीन घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बीकेटी थाना क्षेत्र में एयरफोर्स तिराहे के निकट बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में 22 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई की रात करीब 10रू40 बजे एयरफोर्स तिराहे के पास सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (यूपी34बीवाई6980) पर सवार 17 वर्षीय अमन कुमार गौतम, अरुण कश्यप की 22 वर्षीय पत्नी, उनका पांच माह का पुत्र तथा अमन की बहन सीतापुर से लखनऊ लौट रहे थे। इसी दौरान कट से मुड़ रही ऑल्टो कार (यूपी32आरएच2428) ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल राम सागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय, साढ़ामऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने 22 वर्षीय महिला को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है।पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ऑल्टो कार को कब्जे में ले लिया है। कार चालक लक्ष्य मिश्रा (30 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है

युवक की तलाश में शारदा नहर में चला सर्च ऑपरेशन, नहीं मिली सफलता

लखनऊ, (संवाददाता)। सिठौली कला निवासी लापता दीपक सिंह के शव की तलाश में बुधवार को पुलिस ने एसडीआरएफ के साथ हबुआपुर के पास शारदा नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया। कई घंटे तक स्टीमर और गोताखोरों की मदद से नहर में तलाश की गई, लेकिन देर शाम तक कोई सुराग नहीं मिला। अभियान के दौरान परिजन भी मौजूद रहे। एडीसीपी दक्षिणी रैलापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि दीपक के पिता राम कृष्ण सिंह ने 24 जून को बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर दीपक के दोस्त मोहनलालगंज के डलौना निवासी विशाल रावत और गोसाईंगंज के सलौली निवासी कृष्णा रावत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों ने बताया कि 18 जून की रात विवाद के बाद उन्होंने पहाड़नगर निवासी गोलू के साथ मिलकर दीपक की हत्या कर शव नहर में फेंक दिया था। पुलिस इस मामले में अपहरण और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एडीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस और एसडीआरएफ ने पूरे दिन नहर में खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इंस्पेक्टर ने बताया कि इससे पहले इंदिरा नहर से जुड़े लखनऊ, सुल्तानपुर, अमेठी और प्रतापगढ़ के विभिन्न इलाकों में भी तलाश की थी। दीपक का फोटो और पंपलेट सीमावर्ती जिलों के थानों व सार्वजनिक स्थानों पर भी चस्पा कराए गए हैं। एडीसीपी का कहना है कि शव की बरामदगी के लिए सभी संभावित स्थानों पर लगातार तलाश जारी रहेगी।

रामघाट का आधुनिक शवदाह गृह 12 साल से बंद,3 करोड़ की लागत से बना, कफन रखने में हो रहा इस्तेमाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर गोमती नदी के किनारे स्थित रामघाट पर बना आधुनिक शवदाह गृह पिछले 12 सालों से निष्क्रिय पड़ा है। वर्ष 2014 में तीन करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित इस शवदाह गृह में आज तक एक भी चिता नहीं जली है। वर्तमान में इसका उपयोग कफन और अन्य सामग्री रखने के लिए किया जा रहा है, और इसके सिस्टम में जंग लग गई है। रामघाट पर जौनपुर और आजमगढ़ जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से भी लोग अंतिम संस्कार के लिए आते हैं। यहां प्रतिदिन लगभग 40 शवों का अंतिम संस्कार होता है, जिसके लिए लोगों को लकड़ी खरीदकर पारंपरिक चिता सजानी पड़ती है। घाट पर चिमनी वाले आधुनिक शवदाह गृह का शिलापट्ट देखकर लोग अक्सर इसकी निष्क्रियता पर सवाल उठाते हैं। रामघाट सेवा समिति के घाट प्रभारी रतन सिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 2014 में दो चिमनी वाले शवदाह गृह बनाए गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य कम लकड़ी का उपयोग कर शवों का अंतिम संस्कार करना था। हालांकि, चिमनी वाले शवदाह गृह में लकड़ी ठीक से न जल पाने के कारण यह व्यवस्था कभी शुरू नहीं हो पाई। उस समय जांच की बात कही गई थी, लेकिन उसका परिणाम आज तक सामने नहीं आया। सामान्य चिता में जहां लगभग दो क्विंटल लकड़ी लगती है, वहीं आधुनिक शवदाह गृह में एक क्विंटल लकड़ी में शवदाह का दावा किया गया था। घाट के डोमराजा राम मूरत चौधरी और सूरज चौहान ने पुष्टि की कि मशीन लगने के बाद से यह एक दिन भी नहीं चली है। उन्होंने जिम्मेदारों पर इस महत्वपूर्ण स्थल की उपेक्षा का आरोप लगाया। इस संबंध में जिलाधिकारी सैमुअप पॉल एन ने कहा कि नगर पालिका से जानकारी ली जाएगी और जल्द से जल्द मशीन चालू कराई जाएगी। नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन ने बताया कि चिमनी वाले शवदाह गृह का निर्माण लावारिस और गरीब तबके के लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से किया गया था।

पत्नी के मायके में रहने से नाराज जीजा ने साले पर बरसाईं गोलिया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के कैसरबाग क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जब पत्नी के मायके में रहने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने साले को जान से मारने की नीयत से उसके घर में घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से साला गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के कुछ ही घंटों के भीतर कैसरबाग पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रिवॉल्वर, कारतूस और स्कूटी बरामद कर ली।पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को तालाब गगनी शुक्ल मॉडल हाउस निवासी आफरीन हुसैन ने थाना कैसरबाग में तहरीर देकर बताया कि आरोपी मो. इलियास उर्फ अत्तू उनके घर में घुस आया और उनके पति फजील हुसैन पर जान से मारने की नीयत से कई गोलियां चला दीं। गोली फजील हुसैन के सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के आधार पर थाना कैसरबाग में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी परिवर्तन चौक की ओर सफेद स्कूटी से आने वाला है।

महंगे शौक पूरे करने के लिए मंदिर का सेवादार ही बन गया चोर

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र स्थित प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार हो रही घंटों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि मंदिर का सेवादार ही निकला। पुलिस ने आरोपी को मंदिर से घंटों की चोरी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से बड़ी संख्या में पीतल के घंटे, घंटी और अन्य सामान बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार घंटों की चोरी की शिकायतें मिल रही थीं।

संक्षिप्त खबरें

तालकटोरा में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र स्थित न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर में एक 28 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, गुरुवार को कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि न्यू बादशाहखेड़ा में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर थाना तालकटोरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।जांच में पता चला कि निधि देवी (28 वर्ष), पत्नी शिव प्रकाश, निवासी न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर ने अपने कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। पुलिस ने एडीसीपी की मौजूदगी में पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना की सूचना मृतका के परिजनों को दे दी गई है। मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निधि देवी का विवाह वर्ष 2023 में हुआ था, जबकि उनके पति एक निजी संस्था में कार्यरत हैं।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक एवं विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

तालकटोरा में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र के न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर में गुरुवार को एक विवाहिता का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि न्यू बादशाहखेड़ा में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।प्रारंभिक जांच में मृतका की पहचान निधि देवी (28 वर्ष), पत्नी शिव प्रकाश, निवासी न्यू बादशाहखेड़ा, आलमनगर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, निधि देवी ने अपने कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाई थी।एडीसीपी की मौजूदगी में पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एलडीए की कोर्ट में अलीगंज अग्निकांड मामले की सुनवाई पूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज अग्निकांड वाली बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण नोटिस पर एलडीए के विहित प्राधिकारी कोर्ट में चल रही सुनवाई बृहस्पतिवार को तीसरे दिन पूरी हो गई। बिल्डिंग मालिक और एलडीए इंजीनियर का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित कर लिया है। एक–दो दिन में आदेश आने पर ही साफ होगा कि अवैध बिल्डिंग पर एलडीए खुद बुलडोजर चलाएगा या बिल्डिंग मालिक को खुद तोड़ने का मौका देगा। 22 जून को अलीगंज स्थित एनीमेशन सेंटर की बिल्डिंग में आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी। एलडीए के विहित प्राधिकारी अतुल कुमार की कोर्ट में सुनवाई दौरान बिल्डिंग मालिक के वकील की ओर से यह पक्ष रखा गया कि बिल्डिंग में जो भी निर्माण अवैध है उसको वह स्वयं अपने खर्चे पर गिरा लेंगे। वकील ने नई भवन निर्माण नीति के तहत शमन मानचित्र पास करने की मांग

भी रखी। वकीलों ने कोर्ट को यह भी बताया कि बिल्डिंग का मानचित्र आवासीय पास कराया गया था और बिल्डिंग को किराये पर दिया गया था। बिल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधि किरायेदार की ओर से संचालित की जा रही थी। बिल्डिंग मालिक का इसमें कोई दोष नहीं है। सुनवाई के दौरान वकील बिल्डिंग का मूल नक्शा नहीं पेश कर सके। कहा कि आग में नक्शा जल गया है। एलडीए चाहे तो अपने कार्यालय में जमा दूसरी प्रति से जांच कर ले। वकील ने एलडीए की नोटिस पर भी यह सवाल उठाया। कहा कि नोटिस में यह जानकारी नहीं दी गई है कि मौके पर कितना निर्माण अवैध है और क्या सुधार करने पर वह वैध हो जाएगा। बिल्डिंग का जो हिस्सा अवैध है उसे वह खुद तोड़ लेंगे और उसके लिए एक महीने का समय दिया जाए। वकील ने यह भी कहा कि शमन नीति के तहत उनका मानचित्र पास कर दिया जाए क्योंकि 18 मीटर चौड़ी रोड पर आवासीय के साथ व्यावसायिक निर्माण की अनुमति अब दी जा रही है। वकीलों की बात सुनने के बाद विहित प्राधिकारी ने एलडीए के जेई ओमपाल सिंह से जानकारी ली। जेई ने कोर्ट को बताया कि बेसमेंट सहित दो फ्लोर का नक्शा पास था लेकिन तीसरा तल पूरी तरह अवैध बना है। नक्शे में 20 मीटर बेसमेंट पास था जिसे 134 मीटर बनाया गया। सेट बैक भी नहीं छोड़ा गया। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद विहित प्राधिकारी ने आदेश सुरक्षित कर लिया है। बीती 22 जून को अलीगंज सेक्टर–डी के एक एनिमेशन सेंटर में आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी। जांच के दौरान यह सामने आया था कि बिल्डिंग में आग से बचाव के लिए अग्नि सुरक्षा और सेट बैक जैसे जरूरी उपाय नहीं थे। निर्माण भी अवैध था। आवासीय का मानचित्र पास कराकर उसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इस पर एलडीए ने 23 जून को बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी किया गया था, जिस पर ही सुनवाई चल रही है। 0 23 जून को एलडीए ने अवैध बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया था जिसमें 15 दिन का समय जवाब दाखिल करने के लिए दिया गया था। पहली सुनवाई मंगलवार सात जुलाई को हुई। इस दिन बिल्डिंग मालिक के वकील ने नोटिस जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था। कोर्ट ने सिर्फ एक दिन का समय दिया था। 0 दूसरी सुनवाई बुधवार को हुई और बिल्डिंग मालिक के वकील ने जवाब दाखिल किया और बहस के लिए समय मांगा। इस पर कोर्ट ने फिर एक दिन का समय दिया। तीसरी सुनवाई बृहस्पतिवार को हुई और कोर्ट ने बहस सुनने के बाद आदेश सुरक्षित कर लिया।

महंगे शौक पूरे करने के लिए मंदिर का सेवादार ही बन गया चोर

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र स्थित प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार हो रही घंटों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि मंदिर का सेवादार ही निकला। पुलिस ने आरोपी को मंदिर से घंटों की चोरी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से बड़ी संख्या में पीतल के घंटे, घंटी और अन्य सामान बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से लगातार घंटों की चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इस संबंध में स्थानीय लेखपाल आनंद श्रीवास्तव की तहरीर पर थाना पारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।जांच के दौरान 8 जुलाई की शाम मंदिर के सेवादार गोलू उर्फ गौरव (28 वर्ष) को स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने मंदिर से घंटे चोरी कर बैग में ले जाते समय पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें 10 पीतल के बड़े घंटे, एक पीतल की छोटी घंटी, घंटे बांधने की पांच लोहे की जंजीरें तथा एक लोहे का कुंडा बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मंदिर में सेवादार के रूप में कार्य करता था और मंदिर परिसर में ही उसे रहने के लिए कमरा दिया गया था। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर और कंट्रोल सिस्टम भी उसके कमरे में रखा था,।

काली कमाई का यूपी में एक और किंग, एडीए का सेवानिवृत्त लिपिक भी फंसा

लखनऊ, (संवाददाता)। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के संपत्ति विभाग से सेवानिवृत्त लिपिक गिरीश चंद पर विजिलेंस थाने में आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है। उन्होंने अपनी आय के सापेक्ष 18.98 लाख रुपये का अधिक व्यय किया। जांच के दौरान कोई साक्ष्य नहीं दे सके। इस पर शासन के निर्देश पर कार्रवाई की गई। एसपी विजिलेंस आलोक शर्मा ने बताया कि सेवानिवृत्त लिपिक गिरीश चंद मूलरूप से औरैया के बिधूना स्थित कुदरकोट के रहने वाले हैं। वर्तमान में शास्त्रीपुरम ए ब्लाक में रह रहे हैं। उनके खिलाफ शासन में शिकायत पर मार्च 2024 में खुली जांच के आदेश हुए थे। मामले में जांच के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। इसमें सामने आया कि गिरीश चंद ने जांच के लिए निर्धारित अवधि में आय के समस्त वैध स्रोत से 67.63 लाख रुपये की आय अर्जित की। उन्होंने संपत्ति अर्जित करने और भरण पोषण पर 86.61 लाख रुपये खर्च किए। इसके संबंध में वो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर विजिलेंस थाने में निरीक्षक रविशंकर पांडेय की तहरीर पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई। एसपी विजिलेंस ने बताया कि सतर्कता अधिष्ठान की ओर से भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर कार्रवाई कराई जाती है। सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग की जा रही है तो रिश्वत विरोधी हेल्पलाइन नंबर 9454401864 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। आय से अधिक संपत्ति का यह कोई पहला मामला नहीं है।

बीबीएयू के प्रो. नरेंद्र कुमार एएनआरएफ की तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य पुनः नामित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेंद्र कुमार को एक बार फिर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के अंतर्गत पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान विषय की तकनीकी कार्यक्रम समिति (टीपीसी) का सदस्य नामित किया गया है। इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि और प्रो. कुमार की वैज्ञानिक विशेषज्ञता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान माना जा रहा है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. नरेंद्र कुमार को बधाई देते हुए कहा कि उनका पुनः चयन विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रमाण है।एएनआरएफ देश में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली शीर्ष संस्था है, जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना तथा वैश्विक स्तर पर भारत की अनुसंधान क्षमता को मजबूत बनाना है। हाल ही में एएनआरएफ ने एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट (एआरजी) कार्यक्रम शुरू किया है।

समाधान दिवस में मौके पर हुआ तीन का निस्तारण

अयोध्या। जाना बाजार।थाना समाधान दिवस के अवसर पर आठ फरियादियों ने अपनी समस्याए दर्ज कराई। जिसमें तीन का त्वरित निस्तारण इंस्पेक्टर संतोष कुमार के सहयोग से न्यायिक मजिस्ट्रेट रामप्रसाद त्रिपाठी बीकापुर ने किया।शेष के निस्तारण के लिए राजस्व कर्मी और पुलिस को निर्देश दिया।हैदरगंज थाना परिसर में शनिवार को आयोजित समाधाान दिवस में पहुंचे न्यायिक मजिस्ट्रेट बीकापुर ने गंभीरता से फरियादियों की समस्याओं को सुना और निस्तारण की आवश्यक कार्यवाही की।जिसमें कई समस्याओं का निस्तारण हुआ और अन्य समस्याओं को शीघ्र निस्तारित करने के लिए पुलिस और राजस्व कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी।इस मौके पर राजस्व निरीक्षक दयाशंकर मिश्रा राजस्व कर्मी के रूप में गुलशन,हरि ओम सहित कई गांवो के राजस्व कर्मी मौजूद रहे। वही साथ में दरोगा श्रीपति मौर्य, राजकुमार साहू, आरुषि पटेल सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे ।

गुमशुदा महिला को उसके पुत्र से आरपीएफ ने मिलाकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।कैंट रेलवे स्टेशन आरपीएफ द्वारा मानसिक अवसाद के चलते गुमशुदा महिला को उनके पुत्र से मिलाकर सराहनीय कार्य किया।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ हरीश कुमार शाही ने बताया कि 60 वर्षीय निवासी चक्रवर्ती लेन,नियर काली पांडे स्कूल थाना साउथ,जिला आसनसोल पश्चिम बंगाल उर्मिला बिना बताए अपने घर से आ गई थी।उक्त महिला के परिजनों ने इसकी सूचना आरपीएफ सुरक्षाकर्मियों को दिया।बताया कि इसकी सूचना मिलते ही उक्त महिला को 9 जुलाई को गाड़ी संख्या 15273 सत्याग्रह एक्सप्रेस से आरपीएफ अयोध्या कैंट, एएसआई पंकज सिंह व महिला कांस्टेबल नीलम द्वारा रेस्क्यू कर की अभिरक्षा में रखा गया।शनिवार को आरपीएफ ने उनके पुत्र अनिल रजक को सुरक्षित रूप से सुपुर्द किया।गुमशुदा महिला के पुत्र ने बताया गया कि उनकी माता जी मानसिक अवसाद से ग्रसित थी व घर से बिना बताए चली गई थी जिनकी गुमशुदगी उन्होंने पुलिस थाना साउथ आसनसोल में दिनांक 07.07.2026 को दर्ज कराई थी।अपनी माताजी उर्मिला देवी रजक को सही सलामत पाकर उनके पुत्र अनिल रजक द्वारा त्व्ध्अयोध्या की भूरि भूरि प्रशंसा की गई व बहुत धन्यवाद दिया गया ।

पाँच दिनो बाद भी युवक पर हुई फायरिंग मे अभी तक नही दर्ज हुआ मुकदमा

अयोध्या।(जानाबाजार)। जमीनी विवाद मे युवक को गोली मारकर घायल किए जाने की घटना मे पांचवे दिन बाद भी पुलिस ने मुकदमा नही दर्ज किया।पीडित पक्ष के लोगों ने मुकदमा दर्ज कराने की मांग पुलिस अधिकारियों से की है।मालूम हो कि थाना क्षेत्र हैदरगंज अंतर्गत बेरुगंज परसपुर मे मंगलवार देर शाम करीब आठ बजे बेरुगंज (परसपुर) गांव निवासी शुभम तिवारी (35) अपने साथी अनुरुद्ध तिवारी के साथ गांव से दूर ट्यूबवेल से खेत की सिचाई करने गए थे।इसी दौरान शुभम के अकेले ट्यूबवेल से खेत जाते समय अज्ञात हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। एक गोली शुभम के बाएं हाथ में लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर अनुरूप दौडे और गोहार लगाया।जिस पर ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। घटना के बाद परिजन घायल शुभम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगंज (रमवाकला) ले गए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर रेफर कर दिया।और वहा से भी मेडिकल कॉलेज लखनऊ चिकित्सक ने रिफर कर दिए। घायल का उपचार जारी है।गोलीकांड के पाच दिनो बाद भी मुकदमा दर्ज न होने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।और पीड़ित के परिजन बलराम तिवारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कराने की मांग पुलिस के अधिकारियो से मिलकर की है। इस संबंध मे थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है,लेकिन अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शारदा सहायक नहर पटरी पर बनी जगह-जगह बने गड्ढे हो रहे जानलेवा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। विकास के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।अयोध्या जनपद मिल्कीपुर विधानसभा अंतर्गत कुमारगंज क्षेत्र से गुजर रही शारदा सहायक नहर की पटरी बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है। करीब 1000 मीटर लंबे मार्ग पर लगभग 500 से अधिक गहरे और जानलेवा गड्ढे बन गए हैं, जिनमें कई की गहराई करीब दो फुट तक बताई जा रही है। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों की जान हर पल जोखिम में बनी हुई है आए दिन हो रहे हादसे, राहगीर परेशान स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर पटरी से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, छात्र और दोपहिया वाहन चालक आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की दुर्दशा के कारण आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं।बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से खतरा और भी बढ़ गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की उदासीनता से आक्रोश।ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके साथ ही क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी स्थानीय जनता लगातार सवाल उठा रही है।लोगों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि एक ओर सरकार चमचमाती सड़कों और विकास की गंगा बहने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर ऐसी बदहाल सड़कें उन दावों की पोल खोल रही हैं। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि शारदा सहायक नहर पटरी की तत्काल मरम्मत कराई जाए और इन जानलेवा गड्ढों को भरवाकर आवागमन सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी या हादसे से पहले स्थिति को सुधारा जा सके।

समाजवादी पार्टी ने मनाई चित्रसेन यादव की जयंती

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय अयोध्या में स्व मित्रसेन यादव की जयंती मनायी गयी , प्रदेश सचिव राम अचल यादव, महासचिव हामिद जाफर मीसम व उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय अयोध्या में स्व मित्रसेन यादव की जयंती मनायी गयी।महासचिव हामिद जाफर मीसम उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की , इस मौके पर हामिद जाफर मीसम ने कहा स्व मित्रसेन यादव जी जिनको बाबूजी के नाम से जाना जाता था, गरीब शोषित पीड़ित समाज के मसीहा थे, हमेशा गरीबों की हक की लड़ाई के लिए आवाज बुलंद की, महानगर उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद याद ने कहा कि राजनीति में एक लंबा समय बिताते हुए हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, शोषित, पीड़ित के साथ खड़े होने के कारण और इनकी लड़ाई को अपनी लड़ाई समझकर लड़ने के कारण मित्रसेन यादव जी के ऊपर आपराधिक केसों की झड़ी लग गयी थी, लेकिन उनके कदम अडिग रहे, प्रदेश सचिव राम अचल यादव ने कहा की बाबू जी के साथ मैं हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चला बाबूजी की यादें आज भी जिंदा हैं, उन्होंने हमेशा सत्य और न्याय का साथ दिया, कभी जाति, धर्म के आधार पर किसी के साथ व्यवहार नहीं किया। उनके साथ समाज के हर जाति, धर्म और सम्प्रदाय के लोग थे । महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर महासचिव हामीद जाफर मीसम प्रदेश सचिव राम अचल यादव,, उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद यादव प्रवक्ता राकेश यादव, रियाज अहमद, दान बहादुर सिंह, चौधरी बलराम यादव, राम अजोर यादव,विद्या भूषण पासी, महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जयसवाल, अमृत राजपाल, इंद्रपाल यादव, वीरेंद्र गौतम, जगन्नाथ यादव, केशवराम कोरी, सईद खान ,जितेंद्र यादव,सगिर, इत्यादि लोग मौजूद थे।।

आरपीएफ व जीआरपी कर्मियों द्वारा कैंट रेलवे स्टेशन व आसपास चलाया जा रहा लगातार चेकिंग अभियान

अयोध्या।प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ कैंट रेलवे स्टेशन हरीश कुमार शाही व जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अनिल प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ उप निरीक्षक रचना यादव व जीआरपी के अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा कैंट रेलवे स्टेशन परिसर कथा आसपास के इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया गया।इस मौके पर आरपीएफ तथा जीआरपी के पुलिसकर्मियों ने सक्रिय निगरानी में पिछले दिनों कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।इस मौके आरपीएफ उप निरीक्षक रचना यादव तथा जीआरपी के उप निरीक्षक व सुरक्षा कर्मियों द्वारा स्टेशन परिसर,सभी प्लेटफार्मों एवं ट्रेनों में यात्रियों को अनावश्यक चेन पुलिंग से होने वाले नुकसान,सामान चोरी से बचाव,जहरखुरानी गिरोहों की गतिविधियों तथा ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा करने के खतरों के प्रति जागरूक करते हुए दिखाई दिये।बताते चले कि आगामी श्रावण मास और रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ को देखते हुये यह अभियान सुरक्षा की दृष्टि से चलाया जा रहा है।इस मौके पर सुरक्षा कर्मी यात्रियों को यह भी समझा रहे है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस वस्तु अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल रेलवे हेल्पलाइन एवं आरपीएफ को दें।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन हरीश कुमार शाही तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि रेल यात्रियों को सुरक्षा की दृष्टि से जागरूक किया जा रहा है,वही स्टेशन परिसर के सभी प्लेटफॉर्मो,प्रतीक्षालय, रेलवे सर्कुलेटिंग एरिया,आरक्षण केंद्रों तथा ट्रेनों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए भी यह अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार चलेगा।

’स्ट्रोक के इलाज में हर सेकंड अहम, समय पर उपचार से बच सकती है जान और विकलांगता’

’लखनऊ।’ भारत में हर साल करीब 18 से 20 लाख लोग स्ट्रोक का शिकार होते हैं। स्ट्रोक से मौत के साथ–साथ स्थायी विकलांगता का खतरा भी रहता है। ऐसे में इसकी समय पर पहचान, तुरंत जांच और जल्दी इलाज बहुत जरूरी है। मेदांता हॉस्पिटल में स्ट्रोक पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में डॉक्टरों ने स्ट्रोक की पहचान, इलाज, बचाव और पुनर्वास को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में डॉ. रवि शंकर, डायरेक्टर न्यूरोसर्जरी, डॉ. रतीश जुयाल, डायरेक्टर न्यूरोलॉजी, डॉ. कमलेश सिंह भैसोरा, डायरेक्टर न्यूरोसर्जरी और डॉ. रोहित अग्रवाल, डायरेक्टर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी भी मौजूद रहे। डॉ. अनूप कुमार ठक्कर, डायरेक्टर न्यूरोलॉजी ने कहा, ष्स्ट्रोक के इलाज में समय सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। अगर किसी व्यक्ति का चेहरा टेढ़ा हो जाए, हाथ या पैर में अचानक कमजोरी आ जाए या बोलने में परेशानी हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लोगों को ठम्थ्।ैज के इन संकेतों की जानकारी होनी चाहिए। स्ट्रोक के इलाज के लिए सिर्फ साढ़े चार घंटे का समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान आईवी थ्रोम्बोलाइसिस से विकलांगता का खतरा काफी कम किया जा सकता है। मेदांता लखनऊ में स्ट्रोक के मरीज का 24 घंटे तक भी थ्रोम्बोलाइसिस के माध्यम से का उपचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ष्हर जिला अस्पताल में आईवी थ्रोम्बोलाइसिस की सुविधा होनी चाहिए। इसके लिए सीटी स्कैन, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर जांच जैसी बुनियादी सुविधाएं जरूरी हैं। इससे मरीज का इलाज जल्दी शुरू किया जा सकता है। जिन मरीजों की हालत ज्यादा गंभीर हो, उन्हें शड्रिप एंड शिपश व्यवस्था के तहत तुरंत बड़े अस्पताल भेजा जाना चाहिए। डॉ. राकेश कपूर, मेडिकल डायरेक्टर एवं डायरेक्टर, यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी ने कहा कि स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसमें हर सेकंड मायने रखता है। समय पर इलाज मिलने से न सिर्फ जान बचाई जा सकती है बल्कि विकलांगता को भी रोका जा सकता है। जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली और तुरंत मदद ही स्ट्रोक से बचाव और जीत का सबसे बेहतर रास्ता है। विशेषज्ञों ने कहा कि स्ट्रोक से ठीक होने वाले मरीजों के लिए पुनर्वास भी इलाज का अहम हिस्सा है। ऐसे मरीजों के लिए फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विशेष पुनर्वास केंद्र बनाए जाने चाहिए, ताकि वे फिर से सामान्य जीवन जी सकें। इस दिशा में आईआईटी कानपुर जैसे तकनीकी संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से नई तकनीकों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। स्ट्रोक से बचाव पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, धूम्रपान और मोटापा जैसे जोखिम कारकों की समय पर पहचान और इलाज से स्ट्रोक के मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कई पश्चिमी देशों में सिर्फ ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करके स्ट्रोक के मामलों में लगभग 45 प्रतिशत तक कमी लाई गई है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है। स्ट्रोक दुनिया में विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इसका असर सिर्फ मरीज पर नहीं, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना और बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना, समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना, पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करना और नई तकनीकों को अपनाना समय की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में ष्हर जीवन की रक्षा, हर सेकंड की कीमतष का संदेश देते हुए लोगों से अपील की कि स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण दिखते ही बिना समय गंवाए मरीज को तुरंत अस्पताल लेकर जाएं क्योंकि समय पर इलाज ही जान बचाने का सबसे बड़ा उपाय है।

राम मंदिर दान गबन मामले पर भाजपा संगठन ने पहली बार आधिकारिक रूप से मीडिया के सामने रखा अपना

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम मंदिर दान गबन मामले पर भाजपा संगठन ने पहली बार आधिकारिक रूप से मीडिया के सामने अपना पक्ष रखा।भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि भाजपा के लिए राम मंदिर राजनीति नहीं, बल्कि आस्था का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिनकी ष्राजनीतिक दुकानष बंद हो गई है, वही इस मुद्दे पर विरोध कर रहे हैं। त्यागी ने कहा कि विपक्ष शुरू से चाहता था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण ही न हो, श्रद्धालुओं की संख्या घटने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर पहले भी, आज भी और भविष्य में भी आस्था का केंद्र रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम सबके हैं और दर्शन के लिए पहले भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते थे, आज भी आ रहे हैं।एसआईटी पर विपक्ष के अविश्वास को लेकर उन्होंने कहा कि एसआईटी एक संवैधानिक जांच व्यवस्था है और विपक्ष हमेशा संवैधानिक संस्थाओं का विरोध करता रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि एसआईटी रिपोर्ट में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडे श्बादलश् ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आने से पहले किसी को स्वयंभू न्यायाधीश नहीं बनना चाहिए, प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडे श्बादलश्, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

शहर के कई घरों के सामने बारिश व गंदा पानी इकट्ठा होने से लोगो में आक्रोश

अयोध्या।पिछले दिनों हल्की सी बारिश ने नगर निगम के सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दिया है। हल्की सी बारिश में शहर के विभिन्न मोहल्लों, कॉलोनियों प्रमुख मार्गो पर बारिश का जल भराव दिखाई दे रहा है जिसके चलते आसपास घरों में गंदा व बारिश दिखाई दे रहा है।शहर के बछड़ा सुलतानपुर,देवकाली तिराहा,बेनीगंज, शाहजहांपुर, हैदरगंज, मुगलपुरा, राठहवेली, अश्वनीपुरम कालोनी सहित अनेक मुहल्ले, कालोनी व अन्य मार्गो पर बारिश के पानी ने नगर निगम की पोल खोल कर रख दिया है।इस समय सबसे खराब स्थित मोहल्ला तथा कॉलोनी में जहां पर सिविल लाइन तथा पाइप डालने के नाम पर संबंधित संस्थान ने आधी सड़क खोदकर छोड़ दिया है।जिसके चलते स्थानीय व इधर से गुजरने वाले लोग परेशान है।

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों मे बढ़ते आपराधिक घटनाओ ने खड़े किए पुलिस के कार्यशैली पर प्रश्न

अयोध्या। इधर पिछले कुछ महीनों मे शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लूट,चेन स्नेचिंग, साइबर ठगी, महिलाओं से छेड़छाड़ तथा अन्य आपराधिक घटनाओं ने लोगो की चिंता बढ़ा दी है।देखा जाये तो पुलिस द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी और खुलासे किए जा रहे हैं,लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल भी खड़े कर रही हैं।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चर्चा कर रहे हैं।व्यापारियों,महिलाओं व लडकियां का मानना है कि संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की नियमित गश्त और निगरानी और अधिक प्रभावी होनी चाहिए। जिले के थाना हैदरगंज, गोसाईगंज, रौनाही, महाराजगंज, रुदौली, कोतवाली नगर,कैंट,पटरंगा, शाहिद अधिकतर थाना क्षेत्र में इस समय अपराधी बाढ़ आ गई है। लेकिन इस पर पुलिस प्रशासन अंकुश लगाने में समर्थ दिखाई दे रहा है। इन थाना क्षेत्रों में खासकर विशेष रूप से बाजारों, बैंक क्षेत्रों, सुनसान मार्गों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग उठ रही है।वही जनता का कहना है कि क्षेत्र मे अपराध नियंत्रण के लिए केवल गिरफ्तारी ही पर्याप्त नहीं है,क्षेत्र को अपराध से मुक्त भी करना है।

थाना समाधान दिवस के अवसर पर आठ फरियादियों ने दर्ज कराई अपनी समस्याए

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना समाधान दिवस के अवसर पर आठ फरियादियों ने अपनी समस्याए दर्ज कराई।जिसमें तीन का त्वरित निस्तारण इंस्पेक्टर संतोष कुमार के सहयोग से न्यायिक मजिस्ट्रेट रामप्रसाद त्रिपाठी बीकापुर ने किया। शेष के निस्तारण के लिए राजस्व कर्मी और पुलिस को जिम्मेदारी सौंपा। हैदरगंज थाना परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे न्यायिक मजिस्ट्रेट बीकापुर ने बड़ी गंभीरता से फरियादियों की समस्याओं को सुना और निस्तारण की आवश्यक कार्यवाही की जिसमें कई समस्याओं का निस्तारण हुआ और अन्य समस्याओं को शीघ्र निस्तारित करने के लिए पुलिस और राजस्व कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी इस मौके पर राजस्व निरीक्षक दयाशंकर मिश्रा राजस्व कर्मी के रूप में गुलशन, हरि ओम सहित कई गांवो के राजस्व कर्मी मौजूद रहे। वही साथ में दरोगा श्रीपति मौर्य, राजकुमार साहू, आरुषि पटेल सहित महिला पुरुष आरक्षी मौजूद रही।

पीआरवी ने पांच किलोमीटर पीछा कर फोन छीनने वाले दो आरोपियों को पकड़ा

गोरखपुर, (संवाददाता)। मोबाइल छीनकर भाग रहे दो बदमाशों को पीआरवी की टीम ने करीब पांच किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया है। मामले में पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, नौ जुलाई की शाम करीब साढ़े छह बजे रामपुर कैथवलिया निवासी मुस्कान श्रीवास्तव अपने भाई रौनक श्रीवास्तव के साथ साइकिल से सब्जी लेने के लिए भरोहिया जा रही थीं। इसी दौरान ग्राम रमवापुर के पास पीछे से बाइक सवार दो युवक पहुंचे और झपट्टा मारकर मुस्कान के हाथ से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से रमवापुर की ओर भागने लगे। पीड़िता ने तत्काल पीआरवी को सूचना दी। मौके पर पहुंची पीआरवी टीम ने घटना की जानकारी लेकर बाइक सवार दोनों आरोपियों का पीछा शुरू कर दिया। करीब पांच किलोमीटर पीछा करने के बाद पुलिसकर्मियों ने दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से पीड़िता का छीना गया रियलमी मोबाइल बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रिंस सिंह उर्फ श्रीकेत निवासी उसका थाना चिलुआताल और अरशद निवासी डोहरिया बाजार थाना चिलुआताल के रूप में हुई है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई करने वाली टीम में आरक्षी इंद्रजीत कुमार और होमगार्ड चालक रविंद्र कुमार मिश्रा शामिल रहे।

दर्शन नगर अंडरपास में जलभराव से स्थानीय लोग परेशान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या के दर्शन नगर अंडरपास में लगातार जलभराव की समस्या से स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बारिश के बाद अंडरपास में कई फीट तक पानी जमा हो गया,जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। लोगों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है। स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और व्यापारियों को भी आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगो का कहना है कि बारिस के कारण अंडर पास में पानी भर जाता है आने व जाने में बहुत परेशानी होती है यही हम लोगों का मुख्य मार्ग है

रखरखाव कर में राहत और गलत बिजली बिल का मुद्दा छाया

गोरखपुर, (संवाददाता)। औद्योगिक क्षेत्रों में वार्षिक रखरखाव कर में राहत और गलत बिजली बिलों की समस्या बृहस्पतिवार को जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में प्रमुख मुद्दा रही। उद्यमियों ने प्रशासन के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिस पर डीएम दीपक मीणा ने संबंधित विभागों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में उद्यमियों ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते खर्च के बीच वार्षिक मेंटेनेंस टैक्स से राहत मिलने पर कारोबार को सहूलियत होगी। इसके साथ ही बिजली बिलों में गड़बड़ी की शिकायत भी उठाई गई। उद्यमी अंकित अग्रहरि ने अपने उद्योग में गलत बिजली बिल आने की समस्या बताई। इस पर बिजली विभाग ने जानकारी दी कि शिकायत का समाधान कर दिया गया है। बैठक में सड़क और नाली निर्माण से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर करने की मांग रखी। चेंबर्स ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों ने जैतपुर–बोक्टा मार्ग पर टोल टैक्स से बचने के लिए ट्रक और ट्रेलरों के लगातार आवागमन से सड़क खराब होने का मुद्दा उठाया। डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को इस मामले में आवश्यक कार्रवाई ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।